भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान

IICT

वार्षिक विवरणी

Annual Report

2016-17

Indian Institute of Carpet Technology
Bhadohi

वर्ष 2016-17 के दौरान आईआईसीटी की एसजीएम व एजीएम की बैठक के समय लिये गये फोटो स्नैप

Snap shots taken during SGM & AGM Meeting of IICT during the year 2016-17

सत्यमेव जयते

indian भारतीय handicrafts हस्तशिल्प
continuing tradition

शांतमनु, भा.प्र.से.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Shantmanu, I.A.S.
Development Commissioner (Handicrafts)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली—110 066

Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R.K. Puram,
New Delhi-110 066

Message

I am pleased to present the Annual Report of IICT for the year 2016-17.

The performance of IICT in all its four portfolios, Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) and Technical Support to Industry (TSI) has been praiseworthy.

Apart from above, the institute was also involved in various important projects like ISDS, CHCDS & other training/ R&D projects to upgrade/ develop skill and create human resource for the carpet industry. Successful conduction of 20 workshops/ Seminars shows commitment of IICT towards the overall development of weaker section of the society and for the Carpet Industry.

The institute is also playing a vital role in providing services in all portfolios in genuine/ reliable manner as evident from continued accreditation to ISO 9000. ISO 17025, AICTE & UPTU/ DEC-UGC- AICTE and Textile Institute (Manchester) for activities like overall Quality System, Laboratory Quality System, B. Tech Course & Distance Learning Programme and International Accreditation of B. Tech course of IICT which strengthened the academic repute of IICT.

As Chairman of IICT, I commit myself to leave no stone unturned for the all round development of the institute. I am sure that IICT will not only continue to maintain its standard but flourish further.

I wish IICT to continue its efforts in making the carpet industry overall progressive and result oriented.

Shantmanu, IAS
DC (Handicrafts), Chairman, IICT

indian भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition

el : +91 - 11 - 26106902, 26103562 • Fax No. : +91 - 11 - 26163085 • E-mail : dchejs@nic.in • Website http://handicrafts.nic.in

रत्नेश कुमार झा, भा.रे.या.से.
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Ratnesh Kumar Jha, I.R.T.S.
Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामकृष्ण पुरम,
नई दिल्ली–110 066

Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R. K. Puram,
New Delhi-110 066

Message

I am happy to note extraordinary performance of IICT in all its four portfolios as depicted in the Annual Report for the year 2016-17.

It is also a matter of pride that stakeholders have explored the utilization of portfolios gainfully as evident from composite score of 96.44% in RFD context.

I am convinced about the continuous improvement of the institute through constant and meticulous endeavor made by institute's faculty & staff.

The IICT has put admirable efforts in conducting various awareness programme including covering SC/ST artisans for development of the weavers section of the society.

Similarly in other portfolios too IICT is proactive and industry focused and hence deserves to be appreciated.

I also wish IICT to continue to excel for repositioning its status as a true referral centre.

[Ratnesh Kumar Jha]
ADC (Handicrafts), Vice Chairman, IICT

indian भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition

Tel : +91 - 11 - 26191569 • Fax No. : +91 - 11 - 26163085 • E-mail : dchejs@nic.in • Website http://handicrafts.nic.in

निदेशक
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
(आई.एस.ओ. ९००१:२००८ प्रमाणित)
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अधीन
अ.क.प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध एवं
आभातशिप,भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

Director,
Indian Institute of Carpet Technology
ISO 9001:2008 Certified
Under the aegis of the
development Commissioner (Handicrafts),
Ministry of Textiles, Govt. of India
Affiliated with A.K. Technical University
& Approved by AICTE, Govt. of India

प्रो०(डा) के.के.गोस्वामी
Pro. (Dr) K.K.Goswami

Message from The Desk of Director

It's my privilege in presenting the annual report of IICT for the year 2016-17, achieving the set targets during the year with the involvement of dedicated team members.

The performance of the Institute in all the portfolios like, Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) & Technical Support Service to Industry (TSI), is encouraging and motivating to put more dedicated efforts for attaining the new heights.

The passed out B. Tech. students of IICT are Serving the Carpet & allied Industry up to the satisfaction of the employer and trying to contribute the best possible efforts in the journey towards the growth & development of the industry.

We, the staff of IICT are committed to make IICT a centre of Excellence in all the portfolios as mentioned above.

Support of the Development Commissioner (Handicrafts) & Chairman, IICT, in all our endeavors to achieve the set targets is praiseworthy and is acknowledged.

I also acknowledge the support of Vice-Chairman, IICT, Executive Committee (EC) members, U.P.Gov. Local Administration, Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, AICTE in our efforts.

Co-operation from Carpet Export Promotion Council (CEPC),All India Carpet Manufacturer Association (AICMA), RCMEA,-Jaipur, EUPEA - Varanasi, AICEA-Mirzapur, AICYSDA-Bhadohi etc. made the success-journey, a pleasure & more rewarding .

Commitment of IICT Faculty & staff members to maintain the set standards in the field of discipline & performance, will lead I.I.C.T. to grow further.

Prof.(Dr.) K.K.Goswami
Member Secretary & Director,IICT

पता – चौरी रोड, भदोही – 221401 ; फोन / Phone: + 91 5414 228404, 228409, 225504, फैक्स / Fax: 05414 225509
Address: Chauri Road,Bhadohi - 221401 ; ई-मेल/ Email: iict@iict.ac.in, वेबसाइट / Website: http://iict.ac.in

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा0का0प्रौ0सं0: एक दृष्टि में	01	46	IICT- At A Glance
उपलब्धियाँ	02	47	Achievements
संस्थान कार्यकारिणी समिति	03-04	48-49	Executive Committee of IICT
गुणवत्ता नीति एवं लक्ष्य वक्तव्य	05	50	Quality Policy & Mission Statement
संस्थान के संविभाग	06-10	51-55	Institute's portfolio
संस्थान का दृष्टिकोण	11	56	Vision of the Institution
परियोजनाऐं	12-13	57-58	Projects
शैक्षणिक एवं अन्य पाठ्येत्तर क्रियाकलाप	14	59	Academic and Other Curricular Activities
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूचीं	15	60	Officers/ Employees List
संस्थान में आगमन	16-17	61-62	Visits to the institute
संगोष्ठी, सम्मेलन,कार्यशालाऐं,भागीदारी	18	63	Seminars, Conferences, Workshops,Participation
ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण	19	64	Graphical representation
आर एफ डी	20	65	RFD
बजट आवंटन, उपयोग और सार्वजनिक लेखा	21	66	Budget Allocation, Utilization, and Public Accounting
अंकक्षित लेखा प्रपत्र एवं अंकेक्षक रिपोर्ट 2016–17	22-40	67-86	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2016-17

भा का प्रौ सं

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान

एक दृष्टि में .....

परिचय

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने **भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान** (आई0आई0सी0टी0) की स्थापना सन् 1998 में `संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप मे पंजीकृत कराकर स्थापित किया। संस्थान ने 2001 में 20 सीटो के साथ बी0 टेक0 पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया,जो कि अब 60 सीटें हो चुकी है। आई0आई0सी0टी0 सम्पूर्ण एशिया में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान है। आई0आई0सी0टी0 की स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कालीन एंव संबंधित उद्योगों को सभी अपेक्षित तकनीकी योगदान प्रदान करने हेतु की गई है। संस्थान ने छात्रों द्वारा उद्योग जगत की लम्बे अवधि से चली आ रही तकनीकी विशेषज्ञों की मांग पूरा करने की हर सम्भव प्रयास किया है। संस्थान उद्योगों की अपेक्षित आवश्यकतानुसार, प्राप्त अनुभव के अनुरुप, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान से निकले अन्य

प्रशिक्षित छात्रों ने भी उद्योग जगत में अहम भूमिका निभाते हुये उचित स्थान बनाया है। सस्थान आई0 एस0 ओ0 9001:2008 प्रमाणित है एवं इसकी प्रयोगशालायें `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड' द्वारा प्रमाणित है। संस्थान के परीक्षण प्रमाण पत्र की मान्यता विश्व के तमाम देशो में है। संस्थान का बी0 टेक0 पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एव ं डा0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बद्य है।

संस्थान के बी0 टेक0 पाठ्यक्रम की सभी सीटो में प्रवेश **केन्द्रीय सीट निर्धारण बोर्ड (सी0एस0ए0बी0)** द्वारा किया जाता है। संस्थान, बी0 टेक0 के अतिरिक्त आई0 डी0 एल0 पी0 के अन्तर्गत 7 विभिन्न कोर्स एवं 3 अन्य अल्पकालिक कोर्स संचाालित कर रहा है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई0आई0सी0टी0 विश्व में भारत के कालीन नगरी के नाम से प्रसिद्ध भदोही में स्थापित है। भारत सरकार ने भदोही एवं उसके सन्निकट जिलों के प्रसिद्ध कालीन क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना उन्हे हर सम्भव तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की है। भदोही पावन नगरी वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर तथा प्रयाग नगर इलाहाबाद से लगभग 75 किलोमीटर और मीरजापुर से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आई0आई0सी0टी0 परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किमी की दूरी पर भदोही कस्बे के वाह्यांचल में मुख्य सड़क, चौरी रोड, पर स्थित है। परिसर पूर्णतया प्रदूषण रहित एवं अध्ययन और शोध के लिए एक शांतिमय वातावरण में है।

संस्थान परिसर 10 एकड़ से अधिक भू क्षेत्र पर फैला हुआ है, जिसके सुरूचिपूर्ण कलात्मक प्रशासनिक भवन में प्रशिक्षण कक्ष, प्रयोगशालायें, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, परिकल्पकक्ष, कार्यशाला,संगणक कक्ष, अध्यापक कक्ष तथा संग्रहालय स्थित हैं। परिसर में ही छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु खुले वातावरण में रंगशाला, खेलकूद के मैदान, सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भदोही के पिपरिस नामक स्थान पर 16.5 एकड भूमि अधिग्रहित कर ली गयी है।जिसमें निर्माण व विकास कार्य किया जा रहा है।

उपलब्धियां

The Textile Institute

FOUNDED 1910. INCORPORATED BY ROYAL CHARTER 1925. SUPPLEMENTAL ROYAL CHARTER 1955

Upon the recommendation of the Professional Qualifications Committee the Governing Council of The Textile Institute agreed to accredit the following programmes as fulfilling the academic requirements for the Associateship of The Textile Institute for the inclusive period Jan 2014 to Dec 2018

Indian Institute of Carpet Technology

B. Tech in Carpet & Textile Technology
(Specialisations: Advances in Carpet Technology/Home Textile Technology/ Textile Design Technology)

President

Chairman of Council

General Secretary

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories
(A Constituent Board of Quality Council of India)

SCOPE OF ACCREDITATION

Laboratory: I.I.C.T. Laboratory, Chauri Road, Bhadohi, Uttar Pradesh
Accreditation Standard: ISO/IEC 17025: 2005
Certificate Number: TC-5279 Page 1 of 4
Validity: 01.03.2017 to 28.02.2019 Last Amended on 17.03.2017

Sl.	Product / Material of Test	Specific Test Performed	Test Method Specification against which tests are performed	Range of Testing / Limits of Detection
		CHEMICAL TESTING		
I.	TEXTILE (WOVEN & NON WOVEN)			
1.	Fibre & Filaments, Yarns & Chords, Finished fabric, Apparels & Garments, Carpets & rugs, Protective Textiles	Qualitative Chemical Analysis- Composition of fibres inclusive of identification of fibre		1 % to 100 %
		Wool content of woollen textile material		1 % to 100 %
		Colour fastness to organic solvents		Qualitative (Grade 1 to 5)
		Colour fastness to rubbing (Dry & Wet)		Qualitative (Grade 1 to 5)
		Colour fastness to water		Qualitative (Grade 1 to 5)
		pH value of aqueous extracts of textile materials		1 to 14
		Colour fastness to washing		Qualitative (Grade 1 to 5)

Rahul Jain
Convenor

N. Venkateswaran
Program Director

SGS

Indian Institute of Carpet Technology (IICT)

ISO 9001:2008

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories
(A Constituent Board of Quality Council of India)

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

I.I.C.T. LABORATORY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2005

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

Chauri Road, Bhadohi, Uttar Pradesh

in the field of

TESTING

Certificate Number: TC-5279
Issue Date: 01/03/2017 Valid Until: 28/02/2019

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Program Director

Anil Relia
Chief Executive Officer

की कार्यकारिणी समिति

समिति के सदस्य : 31 मार्च 2017 की स्थिति

1. श्री शान्तमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई. आई. सी. टी., विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय,पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर. के. पुरम्, नईदिल्ली।
2. श्री रत्नेश कुमार झा, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं उपाध्यक्ष, आई0आई0सी0टी0, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), कार्यालय, पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नईदिल्ली।
3. श्री सोहन कुमार झा, वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), कार्यालय, पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नईदिल्ली।
4. श्री अरून कुमार यादव, निदेशक (हस्तशिल्प), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), कार्यालय,पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर0के0 पुरम्, नई दिल्ली।
5. श्री राधे श्याम मिश्रा, आई.ए.एस अतिरिक्त आयुक्त उद्योग, प्रिन्सिपल सेक्रेटरी (इ) उ.प्र. सरकार के प्रतिनिधि
6. श्री आर.वी.एस मनी , कार्यकारी सचिव (वित्त) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
7. श्री एन के गुइन, प्रतिनिधि अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली, ।
8. श्री सुबोध कुमार गुप्ता, कार्यकारी निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली, ।
9. श्री भोलानाथ बरनवाल, भोलानाथ इण्टरनेशनल लि0, जी. टी. रोड़, कछवॉ, वाराणसी।
10. श्री आर. के. श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डिजाईन एवं उत्पाद विकास केंद्र (एन सी डी पी डी) नई दिल्ली।
11. एस.एस.मोहन, अतिरिक्त निदेशक, वस्त्र समिति, - प्रतिनिधि सचिव, टी सी,मुंबई।
12. श्रीएस. आर मीना, अतिरिक्त निदेशक (संस्थागत), कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नईदिल्ली।
13. श्री आर. के. गोंड मीना, सी.टी.ओ. , संस्थागत विभाग, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नईदिल्ली।
14. डा0 आर0 एस0 राठौर, निदेशक(प्रशासनिक), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद(अभातशिप), अध्यक्ष, अभातशिप, नई दिल्ली के मनोनीत सदस्य।
15. प्रो0 अरिन्दम बासु, महा निदेशक , निट्रा, सेक्टर23, राज नगर, गाजियाबाद।
16. श्री एम.ए. मून, प्रतिनिधि निदेशक, सी.एस.टी.आर.आई, सी. एस. बी. कम्प्लेक्स, बी.टी.एम. लेआउट, मदीवला, बंगलौर,।
17. श्री रमेश कुमार बुन्देला, कार्यकारी निदेशक के प्रतिनिधि, केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर
18. श्री असीम जुनेजा, मे0 जयपुर रग्स्, जयपुर श्री एन. के चौधरी के प्रतिनिधि
19. श्री पीयूष बरनवाल, मानद सचिव, एकमा - भदोही, अध्यक्ष, एकमा के प्रतिनिधि।
20. श्री आर. के.मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, निदेशक - आई. आई. सी. टी. के मनोनीत सदस्य।
21. श्री एस. के.पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, निदेशक - आई. आई. सी. टी. के मनोनीत सदस्य।
22. श्री सौरभ पाण्डेय, चाटर्ड एकाउन्टेंट, में0 एस कक्कड एण्ड कं0, इलाहबाद।
23. श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी, लेखाधिकारी, आई. आई. सी. टी. के मनोनीत सदस्य।
24. प्रो0 (डा) के. के.गोस्वामी, निदेशक एवं मेम्बर सेक्रेटरी, आई. आई. सी. टी.

भाकाप्रौसं

कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

वर्ष के दौरान

56वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 29.03.2017
55वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 24.01.2017
54वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 08.09.2016
15वीं वार्षिक सामान्य बैठक नई दिल्ली में	दि0 08.09.2016

भाकाप्रौसं

संगठनात्मक ढांचा

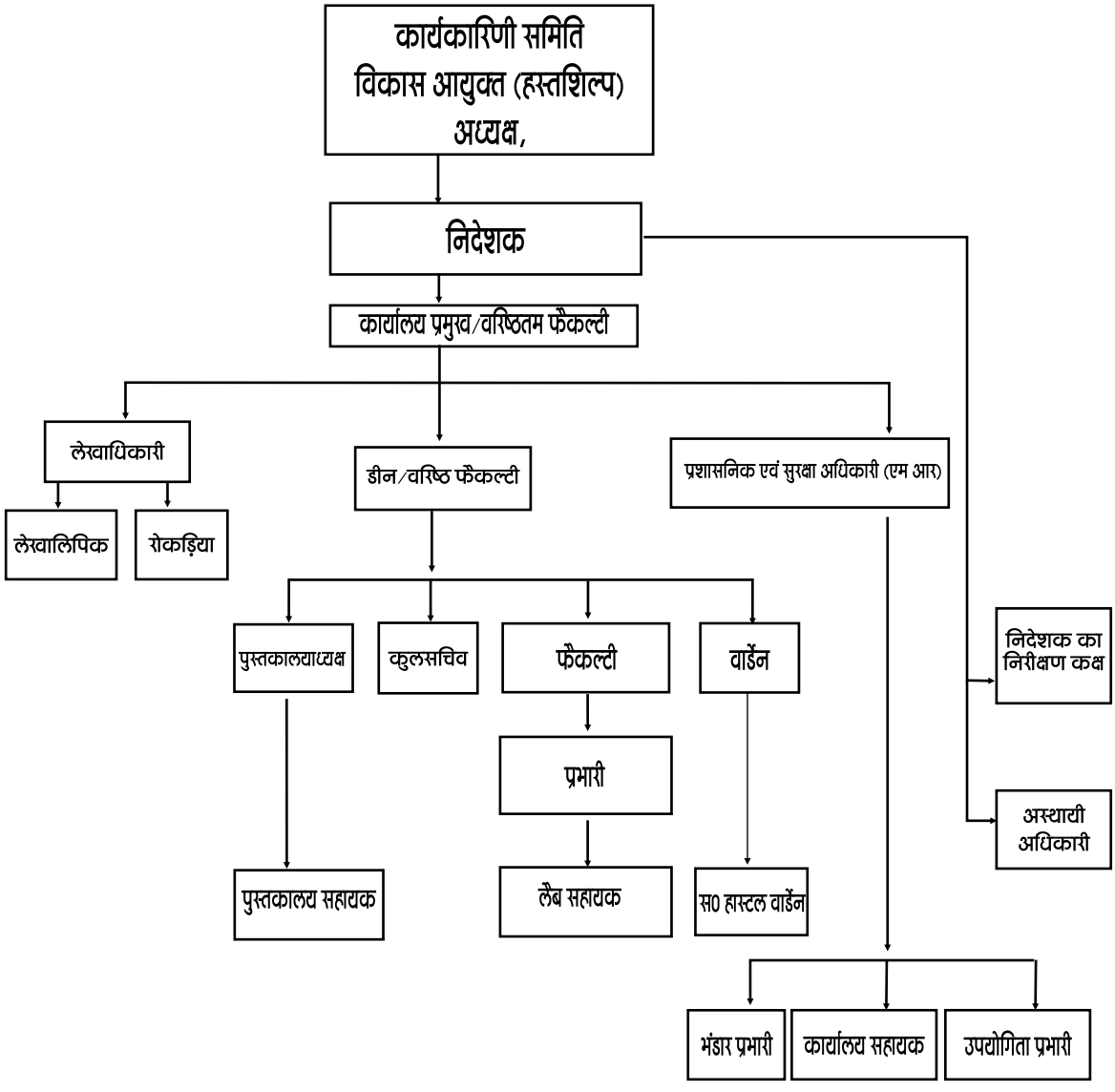

भा का प्रौ सं

गुणवत्ता नीति एवं लक्ष्य वक्तव्य

गुणवत्ता नीति

- संस्थान के छात्रों को गुणवत्तापूरक शिक्षा देना जो सहभागियों की पूर्वानुमानित आवश्यकताओं को पूर्ण करने का लक्ष्य पूराकर सके।
- उद्योग एवं अन्य सभी सहभागियों को समस्त विभागों मे सामयिक एवं सन्तोषजनक सेवाएँ प्रदान करना।
- मानदण्डों की आवश्यकताओं का पालन करते हुए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को निरन्तर उन्नत करना।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान का आई0 एस0 ओ0 9001.2008 प्रमाणन

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान को आई0 एस0 ओ0 9001.2008 प्रमाणित किया गया है। संस्थान , आई. एस. ओ. 9001 के मानक को पूर्ण करते हुए कार्यरत है।

परीक्षण का क्षेत्र निम्नवत् रहा –

1.मानव संसाधन विकास सेवाएँ जिसमें शामिल है– कालीन और वस्त्र तकनीकी में बी0टेक0 पाठ्यक्रम एवं अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रम।

2.उद्योगों के लिए तकनीक समर्थित सेवाएँ– उदाहरणत: व्यवसायिक जॉच, कालीनों, कपड़ों एवं अन्य संबन्धित वस्तुओं के नमूनों का विकास।

3.शोध सेवाएँ।

लक्ष्य–वक्तव्य * कर्मचारी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्यौगिकी संस्थान के स्टाफ सदस्य शपथ लेते हैं कि :

हम प्रतिदिन की समन्वय तथा/या साप्ताहिक पुन:निरीक्षण बैठकों के माध्यम से सभी प्रकार के मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगें। इस व्यवस्था के तहत सभी स्टाफ सदस्य भा0का0प्रौ0स0 प्रबन्धन का हिस्सा बनेंगे तथा निष्ठा के साथ प्रसन्न रहेंगे।

- हम प्रो0(डा0) के0के0गोस्वामी, निदेशक, भा0का0प्रौ0स0 के निर्देशन में इस भागीदारी प्रबन्धन व्यवस्था के तहत कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है, जिससे कि सभी प्रतिष्ठा धारक जैसे कि उद्योग सहयोगी, छात्रा छात्राऐं,वस्त्र मंत्रालय, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),वितरक/ठेकेदार/सेवा प्रदान करने वाले/समाज, संचारतंत्र आदि सभी भा0 का0 प्रौ0 स0 का एक अभिन्न अंग बन सकें।
- हम त्वरित कार्यवाही स्वीकार करने, दिये गये कार्य संस्कृति विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति को मन तथा वचन से स्वीकार करते हुए एक कार्य संस्कृत विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति जैसे कि आई0एस0ओ0 9000, एन0 ए0 बी0 एल0, वूलमार्क अपनाने के लिये कटिबद्ध है।

लक्ष्य–वक्तव्य ** विद्यार्थी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्यौगिकी संस्थान के विद्यार्थी शपथ लेते हैं कि :

- हम एक आदर्श मापदण्ड निर्धारित करेगें तथा नवागन्तुक विद्यार्थियों से अच्छा व्यवहार करेगें तथा उनसे भी यही अपेक्षा रखेगें।
- हम कक्षाओं में समय पर तथा नियमित रहेंगें व शत–प्रतिशत उपस्थिति रखेगें।
- हम कड़ी मेहनत करेगें तथा अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अच्छा परिणाम देगें।
- हम विश्वविद्यालयी परीक्षाओं में अच्छा करेगें व यह सुनिश्चित करेगें कि कोई कैरी ओवर/बैकलाग न हो।
- हम अनुशासन व संस्थान की मर्यादा बनाये रखते हुए भा0 का0 प्रौ0 सं0 के शिक्षकों/स्टाफ सदस्यों का सम्मान करेगें।
- हम प्रयोगशालाओं/ढांचा/प्रांगण विकास के लिए स्वेच्छा से श्रमदान करते हुए निष्ठावान रहेगें।
- हम एक इकाई के रूप में कार्य करेगें व अपने कनिष्ठ विद्यार्थियों व स्वयं के लिए शैक्षणिक के साथ ही साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में नई ऊँचाईयां तय करेगें, जिससे कि इस संस्थान को एक उत्कृष्टता का केन्द्र व ज्ञान का मंदिर बनाने का स्वप्न साकार हो सके।
- हम अपने भविष्य के लिए विश्वसनीय एवं उत्कृष्ट बनेगें तथा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिये छाया चिन्ह बनेगें।

संस्थान के संविभाग

आई0आई0सी0टी0 निम्नलिखित चार संविभागो पर कार्य कर रहा है ▸ संविभागानुसार कार्यों का विवरण :

1- एच आर डी (मानव संसाधन एवं विकास), IICT PORTFOLIO भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के संविभाग

संस्थान में दीर्घावधि बी0टेक एवं सनद (डिप्लोमा) विषयक पाठ्यक्रमों में अध्ययन आरंभ है।

वर्ष 2001 से कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी सी0 टी0 टी0 पाठ्यक्रम में बी0 टेक0 की शुरूआत हुई है, इसके उपरान्त कालीन प्रौद्योगिकी कोर्स पाठ्यक्रम मे विशिष्टता(CTT), घरेलू पहनने योग्य वस्त्रों की प्रौद्योगिकी (HTT) वस्त्र डिजाइन प्रौद्योगिकी को भी समग्र रूप से बी0 टेक0 सी0 टी0 टी0 पाठ्यक्रम में समवित किया गया है जिसे डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से अनुमोदन प्राप्त है और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट मैनचेस्टर, यू0 के0 से प्रत्यायित है। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उत्तर प्रदेश) को स्टार परफार्मर होने पर डाक्टर ए.पी.जे.अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ का दो बार पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

431 विद्यार्थी, विभिन्न उद्योगों(जिसमे उच्च शिक्षा शामिल है) जैसे IITS, NITIE, ISM, IIM, NIFT प्रतिष्ठित मुख्य संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहेहैं।

228 छात्र स्नातक उपाधि प्राप्त करने जा रहे है प्रत्येक वर्ष जुलाई महीने में 60 विद्यार्थी नौकरी देने के लिए उपलब्धी तैयार होते हैं जिन्हें उद्योगों आगे आने एवं इन्हें संसाधन के उपयोग करने की अपेक्षा की जाती है।

आगामी योजना:- आगामी योजनानुसार कार्पेट एण्ड टेक्सटाइल प्रबन्धन पाठ्यक्रम एवं पूर्व पी0 एच0 डी0 (वस्त्र) पाठ्यक्रमों में 20 छात्रों को समाविष्ट करना संस्थान द्वारा प्रस्तावित है। कार्पेट एण्ड होम टेक्सटाइल के उत्पादन जैसे फैशन/स्टाईल/टेक्स्चर, डिजाइन, इन्फार्मेशन टेक्नालाजी इ.डी.पी. पर्सनालिटी डेवलपमेंट लैंग्वेज स्किल एवं इंगलिश के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं के अध्ययन/अध्ययन की व्यवस्था एवं सुधार हेतु कुछ और प्रयोगशालाओं का निर्माण प्रस्तावित है। ताकि नवीन किया कलापों अपूर्वता हासिल हो सके।

उपरोक्त प्रयासो के कम में भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उ0 प्र0) युक्त पवित्र पहॅुच की कामना करता है। डी0 पी0 आर0 फेज-तीन के विस्तार की योजना रोड मैप में दर्शित है।

अन्तराष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यक्रम (आई0 डी0 एल0 पी0)

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही ने ए0 जी0 रिसर्च न्यूजीलैण्ड के सहयोग से एवं क्म्ब्ए फ्छव्ब मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अन्तर्राष्टीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यक्रम के तहत प्रमाण-पत्र उपाधिपत्र के अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। छात्रों का नामॉकन की प्रकिया चल रही है, कार्यशील व्यक्ति इसका फायदा विस्तृत रूप से ले सकते है।

अल्पावधि पाठ्यकम भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही उद्योगों में उपयोगी अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यकमों को समय-समय पर कार्यान्वित करता रहता है।

1. बुनियादी वस्त्र प्रौद्योगिकी डिप्लोमा (छः प्रमाणपत्र विषयक)
2. ऊन सफाई प्रौद्योगिकी (छः प्रमाणपत्र विषयक)
3. वस्त्र रंगाई एवं परिष्किरण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
4. कालीन सूतों का निर्माण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
5. कालीन तकनीकी (छः प्रमाणपत्र विषयक)
6. वस्त्र सूतों का निर्माण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
7. कालीन एवं वस्त्र परिकल्पन (छः प्रमाणपत्र विषयक)

उद्योगोन्मुख विशेष पाठ्यक्रम और अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम पैकेज - 11 छात्र, अध्ययनरत । आई0आई0सी0टी0 द्वारा एजी रिसर्च न्यूजीलैण्ड के साथ संचालित अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यकमके अंतर्गत पूर्वलिखित विषयों (प्रति विषय प्रशिक्षण शुल्क की दर रू0 6000/- मात्र) में नामांकन कराकर उद्योग संगठन लाभ ले सकते है। आई0 डी0 एल0 पी0 डिप्लोमा धारी छात्रों को बी0 टेक कोर्स हेतु योग्य/ उपयुक्त बनाने हेतु प्रयास जारी है।

माइयूलर इम्प्लायमेन्ट स्कीम(एम.इ.एस.) में आधारित पाठ्यकम:- कालीन निर्माण में कम्प्यूटर की उपयोगिता सम्बन्धी पाठ्यकम, कम्प्यूटर एडेड डिजाईन द्वारा कालीन एवं टेक्सटाईल डिजाइन से सम्बन्धित पाठ्यकम,कालीन में प्रयुक्त ऊनी धागे की कताई का पाठ्यकम, कालीन की धुलाई एवं सुन्दरता पूर्ण करने सम्बन्धित पाठ्यकम अब तक कालीन बुनाई को कारीगरों की कमी को दूर करने के प्रयास में 5000 बुनकरों को प्रशिक्षण किया जा चुका है।

आइ0 एस0 डी0 एस0 परियोजना –इस योजना के अन्तर्गत 1138 प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षित किए गए

सी एच सी डी एस योजना के अन्तर्गत: कालीन बुनाई प्रशिक्षण में 3500 प्रशिक्षुको को प्रशिक्षण दिया जा चुका है शेष 1500 प्रशिक्षुको को आगामी फेज में अनुदान प्राप्ति के उपरान्त प्रशिक्षित किया जायेगा। भारतीय कारीगरो को पैदा करने की चेष्टा एवं उपरोक्त कार्यकमों द्वारा उद्योगो को हुनर युक्त मैनपावर उपलब्ध कराना कारीगरों की कमी को दूर करने की दिशा मे संस्थान दृढ़ संकल्प है ।

(उद्योगो से अपेक्षा की जाती है कि वे आगे बढ़े और वॉछित जनसंख्या लाभॉश का फायदा उठायें।)

2. डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)

IICT PORTFOLIO
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के संविभाग

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही के डिजाइन बैंक विभाग ने अब तक तकरीबन 15000 से अधिक डिजाइनों के स्केच को सृजित किया है, व लगभग 3500 डिजाइनो को उद्योगों ने वाणिज्यिक उपयोग हेतु इस्तेमाल किया है। परम्परागत भारतीय मोटिफ/डिजाइनो के उत्पादन बतौर हड़प्पा अजन्ता मुगल, रॅगोली,जयपुरी, फुलकरी, कांथा, पैथनी कलमकारी, बनारसी जामेवार इत्यादि, आधुनिक मोटिफ आदि।मौजूदा चलन के अनुसार

उद्योग विस्तृत रूप से आगे आए डिजाइन बैंक की सलाह व लाभ, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की रचनात्मकता व विकास स्थानीय लागत पर लें।

(उपरोक्त पहल कारीगरों के वंन एवँ डिजाइनों की रचना को केन्द्रीकृत करने कालीन एवं वस्त्रों के उत्पादकता के क्षेत्र में भारतीय डिजाइनों को विस्तृत करने एवं मेक इन इण्डिया को अनुपूरित करने में सहायक होगा।)

(चालू वित्तीय वर्ष में) 2016-17

डिजाइन प्रयोगशाला (डिजाइन उद्योगों की बेचा)	8
डिजाइन बैंक के अन्तर्गत सृजित डिजाइनें	429

कारपेट सैम्पलिंग मशीन : यह मशीन उद्योगों द्वारा 18"×18" के आदि प्रारूप नमूना (प्रोटोटाईप सैम्पल) बनाने के काम में प्रयुक्त होती है।

3 – रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट (आर0 एण्ड डी0)

IICT PORTFOLIO

उत्पादों का विकास/सृजन

संस्थान के स्तर पर कुछ उत्पादों के विकास जैसी प्रकियाएँ अब तक पूर्ण की जा चुकी है अथवा विभिन्न सहयोगों द्वारा पूर्ण की जानी है जो निम्नवत हैं,

1– क्वायर वेस्ट कार्पेट
2– सिल्क कार्पेट
3– ऐरी सिल्क कार्पेट
4– मोडाकाइलिक बेस्ट कार्पेट
5– हैण्डमेड ऐस्टोरफ टाइप कार्पेट
6– नेचुरल फाइवर बेस्ट कार्पेट
7– नेचुरल डाईंग
8– आर्गेनिक पोडक्र
9– सब्स्टीटयूट टू पालिस्टर सैजी
10– बुजबुन यूटीलाइजेशन
11– वर्टिकल ब्लाइण्ड
12– क्वायर पेपर एण्ड क्वायर सिल्क

क्वायर सिल्क उत्पादन को बढ़ाने हेतु भारतीय कालीन प्रौद्योगीकी संस्थान भदोही एवं सी0 सी0 आर0 एलेप्पी, केरल, क्वायर बोर्ड कोची के प्रोत्साहन से एक दूसरा क्रांतिकारी अनुसंधान की शुरूआत की गयी है। रेयान मैन्यू फैक्यरिंग कम्पनी (ग्रासिम एण्ड सेन्चुरी रेयान) के सहयोग व्यापारिक उत्पादन के स्तर पर परीक्षण आरम्भ किया गया है। इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान का लाभ कोकोनट उपजाने एवं इसके उद्यमीकरण को प्रोत्साहन देने वाला एवं कोकोनट उत्पादन उपज वर्धक करने वाले राज्यों जैसे केरल तमिलनॉडु को क्वायर सिल्क पेपर एवं क्वायर सिल्क बनाने में मिलेगा। उद्योगों से ज्यादा संख्या में इसमे आगे आने उत्पादकता एवं विकास बढ़ाने, बैकों ज्यादा लाभ लेने एवं इसको कम मूल्य में दुनियों/देशों को आपूर्ति करने की अपेक्षा की जाती है। उपयुक्तता की चेष्टा के दृष्टिकोण से एवं मेड इन इण्डिया मिशन की अनुपूरित करने अलेषण करने हेतु उद्योगों से निम्नलिखित को विकसित करने की अपेक्षा है।

- इर्गोनामिक एण्ड फ्लेक्सीबल टफ्टिंग फ्रेम की अवधारणा।
- कास बार हॉरिजान्टल लूम सी. बी. एच. एल. (लकडी/ धातु) हैण्डनाटेड, तिब्बती सैगी, सुमैक आदि कालीनों की बुनाई के लिए।

Weavers enjoying the comfort while working in CBHL

- **India Knot:** A proprietary one of IICT which permits semi knotting in loom, a supplement to Make in India Mission - Industry to come forward & Explore

स्नेहाभा कार्पेट बैकिंग सिस्टम:–

पालीमर बैकिंग टेक्नोलाजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इटस फीचर एण्ड फिजिबिलटी इन पब्लीकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड

टेरी लिनो स्टक्चर : एक दूसरी नई प्रभावी कम कीमत/ खर्च की टेरी स्ट्रक्चर की कार्पेट बनाने एवं बेचने का अधिकार स्वामित्व संस्थान ने मेक इण्डिया योजना के तहत शुरू किया है।

इस अनुसंधान एवं विकास की धारणा का लाभ टावेल इन्डस्ट्री कार्पेट एवं होम टेक्सटाइल्स क्षेत्र, विपणन/बाजार साझेदारी व्यापार एवं निस्पादन करने कार्य में ले सकते हैं।

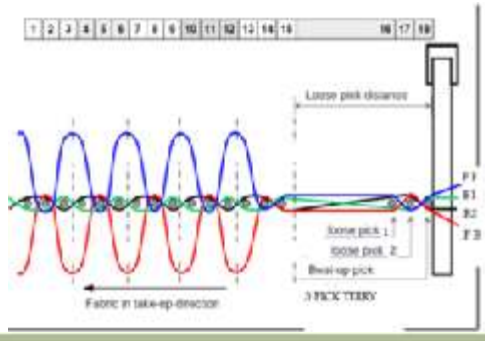

• यूनिवसिट रिलेशन एमांग्स्ट डाइमीटर एण्ड लीनियर डेंसिटी

शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रकाशन मेक इन इण्डिया लक्ष्य के मद्देनजर संस्थान द्वारा किया जाता है।

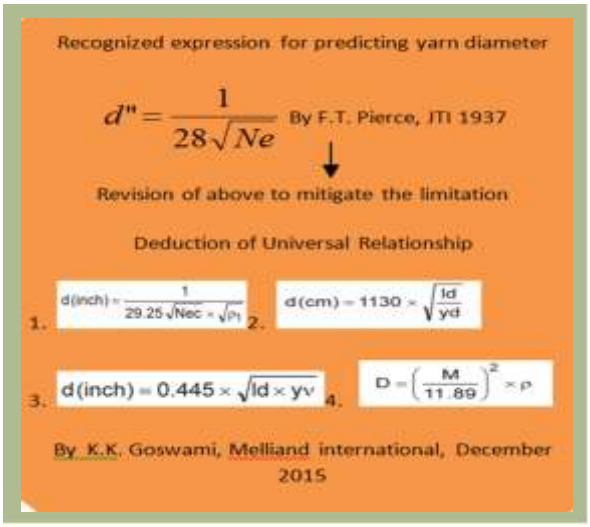

अब तक कालीन उद्योग को संस्थान द्वारा 17,170 परीक्षण सेवाए प्रदान की जा चुकी है।

संस्थान द्वारा कई एक कालीन इकाईयों एवं अन्य कई प्रतिष्ठित कालीन उद्योग संगठनों को उद्योग सम्बन्धी मंगणाएँ सलाह दिया जा चुका है। अनुसंधान के तहत संस्थान स्थानीय उद्योग इकाईयों को सम्पर्क एवं साक्षात्कार तथा उनकी समस्याओं के निराकरण की नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त कराता है।

Carpet Wear & Abrasion Tester

* कार्प कास्ट साफ्टवेयर

Carpet Wear & Abrasion Tester

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकास्ट का विकास किया गया है ।जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य मे संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत रू25,000/– से घटाकर रू5000/– कर दिया गया है।

कन्टिन्युअस टफ्टिंग फ्रेम

टफ्टेड कारपेट के लिये उपयुक्त

यह एक मैन्युअल टफ्टिंग प्रक्रिया है। जिसे हाथ से संचालित या इलेक्ट्रिक टफ्टिंग गन का उपयोग कर बड़ी लंबाई के लिए , कन्टिन्युअस कालीन डिजाइन रिपीट के लिए है।

इसमें विशेषताएं हैं जैसे कि :

- आरामदायक काम के माहौल के साथ फ्रेम की एर्गोनोमिक डिजाइन
- इसमें प्राइमरी बैकिंग क्लाथ की एक रोलर द्वारा लगातार आपूर्ति की जाती है।
- बैकिंग क्लाथ गाइड के लिए स्पाइक चेन डिवाइस का चौड़ाई के साथ विस्तार
- क्लाथ रोलर से हैन्ड व्हील द्वारा बैकिंग क्लाथ का लम्बवत खिचांव
- ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करके एक साथ डिजाइन मुद्रण या ब्लाक प्रिंटिंग का वैकल्पिक उपयोग।
- माध्यमिक नेट के साथ एक साथ लेटेक्स बैकिंग।
- सौर इन्वर्टर द्वारा गर्म हवा से सुखाने वाली प्रणाली (वैकल्पिक)।
- 200 फुट लंबाई तक क्षमता के साथ कालीन घुमावदार रोलर।
- कालीन उत्पादन की बेहतर गुणवत्ता लगभग प्रति 200 वर्ग इंच प्रति घंटे प्रति बुनकर

मैकेनाइज्ड दरी लूम

फ्लोरल डिजाइन की दरी बिनाइ के लिए उपयुक्त

मशीन की विशेषताएं :

हस्त निर्मित कालीन बुनाई के लिए यह ऊर्ध्वाधर दरी हेतु यह एक बेह्तर कालीन डिजाइन करघा है।

- वाइन्डिंग बॉबिन से हैक के लिए व्यवस्था
- आरामदायक कमरे के माहौल में बड़ी लंबाइ की वार्पिंग की व्यवस्था
- तीन फिटके गुणक चौड़ाई में डिजाइन की बुनाई के लिए मैकेनिकल जैकार्ड
- धागे से धागे के बीच का अन्तर और सटीक चौड़ाई समायोजन
- पंजा से बढ़िया ठुकाई के लिए पूरी चौड़ाई
- कालीन रोलर पर ज्यादा लपेटने की क्षमता
- एर्गोनोमिक डिजाइन से बुनकरों को थकानसे राह्त।

लीनो कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

यह लिनो संरचना के साथ पाइल कालीन का एक ब्राड लूम है । बेह्तर टफ्ट विथड्रावल फोर्स के लिए खडी संरचना। कलर स्ट्राइप्स, छोरों की क्षैतिज पंक्ति के कट या लूप,उत्पादन के बाद एम्बासिंग या प्रिंटिंग लिनो कालीनों पर डिजाइन तकनीक

भारत में कालीन क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित कालीन को फिर से स्थापित करना है

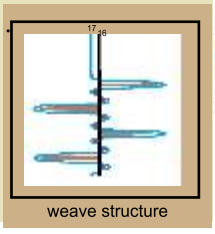

weave structure

जेकार्ड कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

विशेषताएं।

यह फ्लोरल पाइल कालीन डिजाइनों के लिए हथकरघा हेतु एक विकास है।

• पाइल कालीन में लूप / कट संरचना हेतु 2,3,4 या 5 रंगो की डिजाइन के लिए उपयुक्त

• इसमें मैकेनिकल जेकार्ड द्वारा नियंत्रत तानी का शेड द्वारा तानी सम्मिलन कर के पाइल बनाई गई हैं • प्रत्येक रंग पाइल यार्न के लिए 200 क्रील क्षमता। • सूती तानी बीम से हेल्ड शाफ्ट द्वारा नियंत्रित होते हैं • जेकक्वार्ड और हेल्ड शाफ्ट के लिए शेडिंग पांव द्वारा पैडल संचालित। • वेफ्ट पिकिंग के लिए शटल हाथ द्वारा संचालित। • 36 इंच चौड़ाई के लिए 6 पाइल प्रति इंच के लिए बनाया गया है • कालीन, 3-4 एनएम ऊनी पाइल यार्न के लिए उपयुक्त।

• मैनुअल कट प्लेट का उपयोग करके कार्ड काटने के अंतहीन डिजाइन तैयार किए जाते हैं। • बुनित कालीन के विभिन्न गुणवत्ता हेतु पाइल का उत्पादन विभिन्न मोटाई के तानों 1/4 से 3/4 इंच द्वारा • दूरदराज के प्राकृतिक गांवों में छोटे बुनकरों के लिए हस्तकला तकनीक है

टेरी लेनो ढेर संरचना में बुने कालीन का विकास

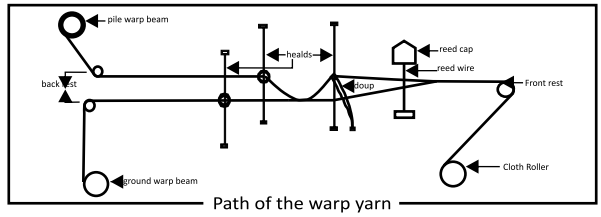

Path of the warp yarn

विशेषताएं

- हथकरघा पर तैयार कालीन।
- इस विशेष हथकरघा में टेरी और लिनो की दोनों तकनीकें हैं।
- हाई टफ्ट विथड्रावल फोर्स, टेरी-लिनो प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित कालीन में हैं
- कट पाइल और लूप पाइल दोनों प्रकार के कालीन तैयार किए जा सकते हैं।

4. टी एस आई उद्योगों को तकनीकी समर्थित सेवाएं

संस्थान उद्योग संगठनो को लगातार अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओ जैसे– डिजाइन स्टूडियो, भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला, कालीन प्रयोगशाला, आदि द्वारा तकनीकी सेवायें दे रहा है जिससे कि वे विश्व बाजार प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना सकें। वर्ष 2016–17 में किये गये नमूना परीक्षण का विवरण निम्नवत् है :

भौतिकी प्रयोगशाला सेवा	:	169
रसायन प्रयोगशाला सेवा	:	895
कालीन प्रयोगशाला सेवा	:	163
		1227
डिजाइन प्रयोगशाला सेवा	:	437
(क) डिजाईन बैंक	: 429	
(ख) डिजाईनो की बिकी	: 8	

कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2017 तक)

1. मेंo भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी।
2. मेंo सहारा कस्तूरी हैण्डीकाफ्ट्स, लखनऊ।
3. मेंo जया श्री टेक्सटाईल्स, रिसरा।
4. मेंo टैग ब्रदंस, नई दिल्ली।
5. मेंo ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर।
6. मेंo पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही।
7. मेंo जी0 एस0 एल0 टेक्सटाईल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना।
8. मेंo कान्सेप्ट किएशन्स,पानीपत।
9. मेंo ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता।
10. मेंo जयपुर रग्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर।
11. मेंo पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही।
12. मेंo एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0,नोएडा।
13. मेंo समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0
14. मेंo वेलोसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य)
15 मे0 चम्पो कारपेट्स, भदोही।
16 मे0 कलरटेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य है।

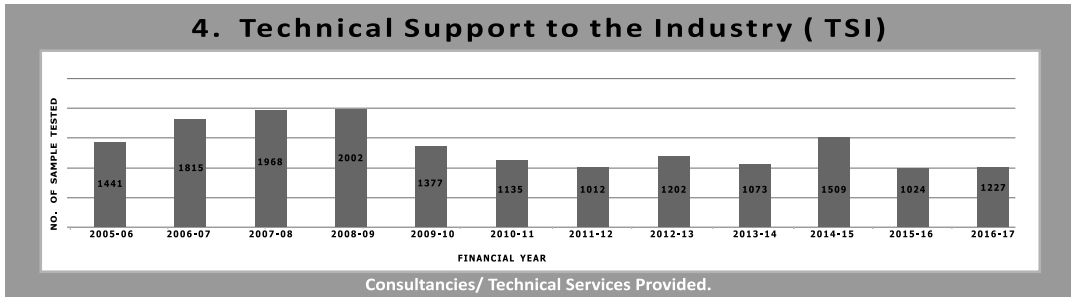

- ❖ संस्थान की प्रयोगशालाए `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रमाणित है अत: हमारा परीक्षण पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य है।
- ❖ उद्योग जगत अपने आपूर्ति किये जाने वाले उत्पाद की खरीददार की मांग के अनुसार है अथवा नही, का प्रमाणीकरण की पुष्टि हेतु संस्थान में उपलब्ध सुविधाओ का उपयोग कर सकते हैं।
- ❖ उद्योग जगत अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए परामर्श हेतु संस्थान से फीस आधारित संपर्क कर सकते है।
- ❖ संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगो /व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा सहयोगी सदस्यता कमश: रु0 50,000/–अथवा रु0 4,000/– देकर पा सकता है।
- ❖ कालीन निर्माण में प्रकिया नियंत्रण पुस्तक: यह किताब भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो0(डा.)के.के.गोस्वामी के द्वारा कालीन उद्योग से जुड़े लोगो के लिए लिखी अति महत्वपूर्ण है जो कि आयातको की जरूरतो को पूरा करती हैं। वितरण द्वारा इसका हिन्दी संस्करण भी अनुमोदित योजनाओ के अन्तर्गत प्रशिक्षुओ व अन्य लोगो के वितरण हेतु प्रकाशित किया गया है।

अन्य

- ♦ प्राकृतिक रेशो द्वारा निर्मित जमीन आवरण कालीन
- ♦ प्राकृतिक रंगो का अनुप्रयोग
- ♦ उत्पाद/कार्य विविधिकरण

इच्छुक व्यक्ति/समूह विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें।

संस्थान का दृष्टिकोण

The institute is established primarily to promote, aid and foster, directly or indirectly the development of carpet and floor coverings and textiles in India and of the artisans and people engaged-in or concerned with carpet floor covering and textile industries by strategically planning, introducing and executing various programs aimed to enhance the quality and competitiveness of carpet and textile industry.

Mission of the Institution:

The broad approach to achieve the vision has been through creation of role clarity and portfolios. The strategy for the same is as under:

Missions	ACTIVITY
M1: Human Resource Development (HRD)	❖Short Term Training ❖Certificate Course ❖Degree Course in Carpet and Textile Technology
M2: Design Creation and Development (DCD)	❖Creation of Design ❖Development of Design using CAD ❖Bank of Motif/Design
M3: Research & Development (R&D)	❖Product Development ❖Technology Upgradation ❖Standardisation: (Input Process Output) ❖Sponsored Projects
M4: Technical Service Support to Industry (TSI)	❖Sample testing ❖Certification of Product ❖Trouble Shooting ❖Technical & Management Consultancy

Program Educational Objectives (PEOs)

The institute is accredited to ISO 9000 and ISO 17025. The quality policy indicating the PEOs of the institute, is as under:

❖To provide qualitative education to our students, which targets to meet the anticipated requirements of stake holders.
❖To render timely and satisfactory service in all portfolios to the industry and all other stake holders.
❖To improve our quality management system on continual basis through complying with the requirements of this standard.

संस्थान में चल रही परियोजनाओं का विवरण (सरकारी तथा व्यक्तिगत प्रायोजित)

वित्तीय वर्ष 2016 –17

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
1.	Comprehensive Handicrafts Cluster Development Scheme (CHCDS)	C-11011/28/2011-12-CC(MC-BHADOHI-MIR)-1/1332, Rs. 504.14Lakhs / 23.09.2015Dr. S.K.Pal/ Dr.S.K.Pandey/HRD/UC under process
2.	Organizing handicrafts technical training program under HRD	No.I-15011/9(13)/CR/ HRD/HTP/2015-16/1301 Rs. 81.79Lakhs / 18/21.09.2015/Dr S K Pandey/HRD UC under process
3.	Organizing handicrafts technical training program under HRD (SC Candidates)	No.I-15011/9(14)/CR/SC/ HRD/HTP/2015-16/1281 Rs. 83.90Lakhs /18/21.09.2015/ DR S K Pandey./HRD /UC under process
4.	Workshop/ Seminar on Basic Elements of Carpet Design Creations in Carpet manufacturing workshop for youth of the society	K-12012/4/93/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs.4.46 Lakhs/Dr.R.Karmakar/R&D/UC Submitted
5.	Workshop/seminar on Computer Application in Carpet making perspective for youth in Bhadohi	K-12012/4/92/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs. 4.46 Lakhs/Dr. S.K.Pandey/R&D/UC Submitted
6.	Workshop/ Seminar on “Soft Skill awareness in carpet manufacturing workshop for youth of the society”	K-12012/4/86/2015/16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs-4.46 Lakhs/Dr.S.K.Pandey/R&D/Training Completed and UC under process
7.	Workshop/ Seminar on CAD(Computer Aided Carpet Design) in Carpet manufacturing Workshop for youth of the society”	K-12012/4/94/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs-4.46 Lakhs/Dr.R.Karmakar/R&D/UC Submitted
8.	Workshop/ Seminar on “Dhurry making craft for scheduled caste(SC) youth”	K-12012/4/87/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs-4.46 Lakhs/Dr.B.Dasgupta/R&D/UC Submitted
9.	Workshop/ Seminar on Carpet embroidery for youth”	K-12012/4/85/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs.4.46 Lakhs/Sh.S.K.Gupta/R&D/UC Submitted
10.	Workshop/ Seminar on Tufted carpet Making Craft for scheduled caste (SC) youth	K-12012/4/95/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs.3.12 Lakhs/Dr. B.Dasgupta/R&D/UC Submitted
11.	Entrepreneurship workshop for scheduled caste (SC) youth	K-12012/4/88/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs.3.69 Lakhs/Dr.B.Dasgupta/R&D/ UC Submitted
12.	Workshop / Seminar on Mechanical Finishing of Carpet for youth	K-12012/4/91/2015-16/R&D, Dt-29.02.2016, Rs. 4.68Lakhs/Sh. Anu Mishra/R&D/UC Submitted
13.	Procurement and distribution of Carpet Loom / Frame under CHCD scheme at Mega Cluster at Bhadohi- Mirzapur.	C-11011/1/2012-13-CC-MC/Dt-16.12.2016 Sh.S.Shukla/ Dr. S.K.Pal/HRD/Running
14.	Backing cloth for tufting carpet	M-19014/116/2016-17/MD(CR) Dt.27.12.2016, Rs. 1.00 Lakh/Dr.Moumita Bera/Marketing/Training Completed and UC under process
15.	Carpet Yarn used in carpet making crafts.	M-19014/116/2016-17/MD(CR) Dt.27.12.2016 Sh. H. Mohapatra/Marketing Training Completed and UC under process
16.	Carpet yarn dyeing used in carpet making crafts	M-19014/116/2016-17/MD(CR) Dt.27.12.2016 Rs. 1.00 Lakh/Sh. R.K.Mailk/Marketing Training Completed and UC under process
17.	Textiles fibers for carpet yarn in handmade carpet craft	M-19014/116/2016-17/MD(CR) Dt.27.12.2016/Rs. 1.00 Lakh /Sh. H. Mohapatra/Marketing/ Training Completed and UC under process
18.	Jute yarns in handmade carpet for carpet craft	M-19014/116/2016-17/MD(CR) Dt.27.12.2016 Rs. 1.00 Lakh/Sh. S.K.Gupta/Marketing/Training Completed and UC under process

Continued.....

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
19.	Mechanical Finishing of Carpet	Training Completed and UC under process M-19014/115/2016-17/MD(CR)/2084, Dt.27.12.2016 / Rs. 1.00 Lakh each project/Sh Anu Mishra Marketing/Training Completed and UC under process
20.	Washing of Hand Made Carpet	
21.	Application of Computer & I.T. in Carpet manufacturing	M-19014/115/2016-17/MD(CR)/2084, Dt.27.12.2016 / Rs. 1.00 Lakh each project Dr.S.K.Pandey Marketing/Training Completed and UC under process
	Awareness of soft Skill in Carpet industry	
22.	Entrepreneurship Awareness of Carpet Industry	
23.	Design and Technical Development Workshop on Carpet Embroidery	No.- J-12012/125/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/ Sh. S.K.Gupta/Design Application invited
24.	Printing on pile carpets	No.- J-12012/125(1)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/Dr.B.Dasgupta/Design Application invited
25.	Jacquard Design on Dhurry	No.- J-12012/125(2)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/Dr.B.Dasgupta Design Application invited
26.	Jacquard Design on Handloom Pile Carpet	No.- J-12012/125(6)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/Dr.B.Dasgupta/Design Application invited
27.	Basic Elements of Design creations through CAD	No.- J-12012/125(3)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design/ Application invited
28.	Modern Carpet Design using CAD in Tufted Carpet	No.- J-12012/125(5)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 /Rs. 4.30 Lakhs/Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design/ Application invited
29.	Carpet yarn dyeing and its quality control	No.- J-12012/125(4)/2016-17/DS/CR Dt. 06.02.2017 Rs. 4.30 Lakhs/Sh.R.K. Malik/Design/ Application invited
30.	Chain Stitch & Embroidery on Namda Carpet Craft at RCWPDS, Jaipur	No.-J-12012/126/2016-17/DS/CR/SC Rs. 15.35 Lakhs/ Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design/ Application invited
31.	Hand Block Printing Design on Durry Craft at RCWPDS, Jaipur	No.-J-12012/126(1)/2016-17/DS/CR/SC Rs. 15.35 Lakhs/ Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design/ Application invited
32.	Hand Knotted Carpets Based on Jaipuri Textile Design at RCWPDS, Jaipur	No.-J-12012/126(2)/2016-17/DS/CR/SC Rs. 15.35 Lakhs/Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design Application invited
33.	Handmade Durry Design Based in Indian Motifs at RCWPDS, Jaipur	No.-J-12012/126(3)/2016-17/DS/CR/SC Rs. 15.35 Lakhs/Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design/ Fund not received
34.	Handmade Durry Design Based on Jaipuri Design at RCWPDS, Jaipur	No.-J-12012/126(4)/2016-17/DS/CR/SC Rs. 15.35 Lakhs Dr.R.Karmakar/C.S.Bajpai/ Design /Fund not received

बी0 टेक0 प्रथम वर्ष में प्रवेश :

संस्थान के बी0 टेक0 कार्यक्रम में कुल 60 सीटें है। जे ओ एस ए ए (संयुक्त सीट निर्धारण प्राधिकरण 2017) ने कुल 60 छात्रों को प्रवेश हेतु निर्धारित किया था, जिसमें 42 छात्रों ने प्रवेश लिया।

शिक्षण शुल्क में छूट :

सरकार/ डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनउ, द्वारा निर्धारित शिक्षण शुल्क छात्रो द्वारा मान्य।

सत्रारम्भ :

बी0 टेक0 पंचम एवं सप्तम अर्द्धान्स की कक्षाओं के लिए नया सत्र 02 अगस्त 2016 से तथा प्रथम व तृतीय, अर्द्धान्स के लिए 13 अगस्त 2016 से कक्षाएँ प्रारम्भ हुई।

परीक्षाफल एवं उपलब्धि :

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के दौरान बारहवें बैच (2012–16) के 58 छात्रों ने परीक्षा दी,
छठवें सेमेस्टर के 69 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र चतुर्थ वर्ष में प्रोन्नत हो गए।
चौथे सेमेस्टर के 49 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र तृतीय वर्ष में प्रोन्नत हो गए।
दूसरे सेमेस्टर के 42 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र द्वितीय वर्ष में प्रोन्नत हो गए।

31 मार्च 2017 तक सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद
1.	प्रो0 (डा0) के0 के0 गोस्वामी	प्रोफेसर एवं निदेशक
2.	डा0 आर0 कर्माकर	एसोसिएट प्रोफेसर, सी.टी.डी
3.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाईल टेस्टिंग
4.	श्री आर. के. मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.टी.सी
5.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी
6.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक
7.	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	प्रशासनिक एवं सुरक्षाधिकारी
8.	श्री जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष
9.	डा0 बेट्टी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर,सी.टी.
10.	श्री सी.एस. वाजपेयी	डिजाईन प्रयोगशाला प्रभारी
11.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक
12.	डा0 एस. के. पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.एस.एम
13.	मो0 वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक
14.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक, इंजी.
15.	श्री अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,एफ.एस.टी.
16.	श्री श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,टेक. (होम टेक्सटाइल)
17.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाइल्स
18.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रानिक्स
19.	श्री राजेश वर्मा	सहायक प्रोफेसर, इन्जीनियरिंग
20.	प्रो0 (डा0) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर
21.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी
22.	डा0 मोउमिता बेरा	सहायक प्रोफेसर,टी.डी..टी.
23.	डा0 अतनु मन्ना	सहायक प्रोफेसर, गणित
24.	श्री डी0 जाना	प्रयोगशाला प्रभारी, रसायन
25.	श्री अनुपम अग्रवाल	प्रयोगशाला प्रभारी, भौतिकी
26.	श्री एच. एस. मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर
27.	श्री दर्पण सिंह	कम्प्यूटर लैब सहायक
28.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन
29.	श्री नरेश कुमार	ड्राईवर

All designation/ posts are made/being made unique in nature to build unique capacity required for the sector. Addition of employee to designation (s) may take place in due course of time to meet institute's requirement. The EC vide meeting dated 22.06.2007 resolved the issue as "Recruitment Rules including Reservation/Roster etc. to be followed/framed for all the regular posts created and being created through EFC Phase I & II respectively"

Visiting/Guest Faculty Engaged

1. श्री शरत चंद्र महतो
2. डा0 अभिषेक पान्डेय
3. डा. कौशलेन्द्र मिश्रा
4. डा. मनीष सिनहा

The engagement of visiting/guest faculty was made according to Service Rule of IICT, as per the clause no. 1 (1.13) of the Delegation of Administrative & Financial power to Director, IICT.

संस्थान में पधारे आगन्तुक एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
11 Jan. 16	Madhavi Verma Aashima Vaid # Naveli, new delhi	A very humble & successful initiative in keeping the heritage alive.
15 Feb 16	Mark Turner Glasgow Visitor from Flair Rugs	Extremely useful. Very helpful people. I am sure you will get to know their more.
2 April, '16	Rajneesh Dube Principal Secy, MSME & Export Promotion	The Institute is doing a yeoman Service in HRD field in Carpet & Textiles. May be a deeper linkage with Industry would make it more useful. Congrats and Best wishes to the Team.
4th April 2016-	Sohan Kumar Jha. Senior Director / National Handicrafts & Handlooms Museum & O/o D.C Handicrafts, New Delhi	The institute is excellent both infrastructure and teaching and learning point of view. The faculties & staffs are dedicated towards development of students & Institute. I wish all the best to the Institute and its staffs, faculties & students. 4/4/16
05.09.2016	District Magistrate Bhadohi.	Visited the institute. Future is bright. The use of latest innovation in this industry and to use the latest Technology like Smart classes will be useful. Best wishes for the institute. S.S. 5.9.16
05-09.2016	Superintendent of Police Bhadohi.	Excellent Institute. very much useful in development of human skill. SP. DR. ARVIND BHUSHAN PANDEY. 05.9.16.

संस्थान में पधारे आगन्तुक एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
16 Nov 16	Mughal. Ana Weiha Tessada MEXICO / Colombia	It was great to have explaned all the process of carpets and the festings. Everyone was very kind. Thank you! :)
04/01/17	R.C. PANDEY CDO BHADOHI	It was very pleasant to see the growth of institute in the leadership of Mr Goswami within 16 years and 24 training of participants regarding mechanical and embroidery training of carpet was very fruitful and enthusiastic. Wish a great future to institute.
20/01/17	Rajiv Kum[illegible] Commissioner Vindhyachal	It was another day of excellence here. [signature] 20/1/17
20/1/17	Ratan Kr. Srivastva DM, M-Zr	very motivation program. [signature]
4-8-2017	[illegible]	[illegible] [signature] 4-8-2017
very impressive operation I am happy to see someone is putting effort in educating in oriental rugs. K. Rahm[illegible]		

गोष्ठी/भागीदारी/ कार्यशाला/सम्मेलन/प्रकाशन

Prof. (Dr)K.K.Goswami, Director IICT

- प्रपत्र प्रस्तुत किया
  1. एम एस एम ई/हस्त निर्मित कालीन क्षेत्र - कारपेट इ वर्ल्ड द्वारा सृजनात्मकता को बढ़ावा देने में तकनीकी संस्थान की भूमिका
  2. बी एस आई, नई दिल्ली में तकनीकी टेक्सटाइल में मानकी करण व मूल्यवृद्धी 20.07.2016।
  3. मेक इन इन्डिया और स्किल इन्डिया मिशन में प्रशिक्षण के द्वारा आविष्कार व नवाचार , टीएआई, पश्चिम बंगाल इकाई, कोलकाता के माध्यम से तकनीकी संस्थान की भूमिका,
- कार्यशाला/संगोष्ठी में भाग लिया:
- 2-3 जनवरी 2017 "इमरजिंग ट्रेन्ड इन टेक्सटाईल फाइबर एण्ड अपग्रेड इन्जीनियरिंग" पर सेमिनार, जी सी इ टी टी, बेहरमपुर।
- 3-4 दिसम्बर 2016 आइ टी एम इ, मुंम्बई
- 10 अक्टूबर 2016 मुम्बई मे सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- 04 जुलाई 2016 मुम्बई मे सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- 15.18 जुलाई 2016 आइ आई सी एफ-2016 कोयम्बटूर।
- 28/29 अप्रैल 2016 " वस्त्र विज्ञान के लिए पाठ्यचर्या के विकास पर कार्यशाला" टेक्सटाईल टेक, मैनमेड फाइबर तकनीक और टेक्सटाईल टेक्नॉलाजी।

Dr. Atanu Manna, Asstt.Professor IICT

- ए. माजी, ए. मन्ना और पी. डी. श्रीवास्तव, सामान्यतया माध्यम और कम्पैक्ट आपरेटरों द्वारा प्राप्त कुछ बी-स्पेस सीक्वेंस रिक्त स्थान, क्रागुजेवाक जे मैथ, 41 (1) (2017), 7-32 (विज्ञान के क्रागुजेवाक-संकाय विश्वविद्यालय)

Dr. Moumita Bera, Asstt. Professor IICT

- एम बेरा,पी पॉल, "कपडे के घटको परबुनाई की डिजाइनो का प्रभाव "मिलिअण्ड इन्टरनेशनल, मार्च,2017 खण्ड : 23,पेज 27-29

Dr. R. Karmakar, Associate Professor IICT

- **समन्वयन** परियोजना / कार्यशाला
- एससी श्रेणी के आर्टीजन के लिए "आईआईसीटी भदोही में डिजाइन के बुनियादी तत्व" पर 3 दिन की कार्यशाला आयोजित: का. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित आईसीटी-भदोही में अनुसंधान व विकास योजना के तहत। (22-10-2016 से 24-10-2016)
- आईसीटी-भदोही में आयोजित अनुसंधान व विकास योजना के तहत नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित: एससी श्रेणी के आर्टिजन के लिए "आईआईसीटी भदोही में कैड (कम्प्यूटर एडेड कालीन डिजाइन)/ पर(दि. 22-10-2016 से 24-10-2016 तक) 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित।

Dr. S. K. Pandey, Associate Professor IICT

1. भारतीय कालीन उद्योग में उभरते अवसर और चुनौतिया और मल्टीडिस्प्लिनरी स्टडीज के एशियाई जर्नल में आईएसएसएनरू 2321-8819 (आनलाइन) खंड 3, अंक 1
2. इंटरवर्सल एटिट्यूड्स और स्किल्स का विकास - कारपोरेट के लिए अनिवार्य इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च (आईजेआर) (आईएसएसएन 2348-6848) वाल्यूम -2, अंक 01
3. प्रबंधन और योजना के अध्ययन के लिए जर्नल में भारतीय कालीन उद्योग के लिए घरेलू बाजार के विकास के लिए प्रभावी विपणन मोड की आवश्यकता, ई-आईएसएसएनरू 23 9 56363 वाल्यूम 01 अंक 06 जुलाई 2015

Dr. Betty Dasgupta, Asstt.Professor IICT

1. अनुसूचित जातियों के लिए दरी क्राफ्ट पर कार्यशाला
2. अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए टफ्टेड कालीन पर कार्यशाला
3. एससी युवाओं के लिए उद्यमियों पर कार्यशाला

Sh. S. K. Gupta, Asstt.Professor IICT

1. एस के गुप्ता, के.के. गोस्वामी और ए. मजूमदार, प्रतिक्रिया सतह पद्यति का उपयोग करके फारसी हस्तनिर्मित ऊन कालीनों के घर्षण प्रतिरोध की माडलिंग।, 2016, 17(4), 637-643.
2. एस के गुप्ता, के.के. गोस्वामी और ए. मजूमदार, डिजायरेबिलिटी फंक्शन्स का उपयोग करके फारसी हस्तनिर्मित ऊनी नाटेड कालीनो के स्थायित्व का अनुकूलन - वांछनीयता कार्य, टेक्सटाइल शोध पत्रिका, 2016, डीओआई: / 10.1177 / 0040517516676056

Sh.C.S.Bajpayee , In charge-DESIGN LAB, IICT

- सीईपीसी द्वारा प्रायोजित इंडिया कार्पेट एक्सपो - 2016 सम्पूर्णा नन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में दि. 03/10/2016 से 06/10/2016 तक भाग लिया,
- सीईपीसी द्वारा प्रायोजित इंडिया कार्पेट एक्सपो - 2017 प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 27/03/2017 से 30/03/2017 तक भाग लिया।
- समन्वित परियोजना / कार्यशाला एस सी श्रेणी के आर्टीजन के लिए "आईआईसीटी भदोही में डिजाइन के बुनियादी तत्व" पर 3 दिन की कार्यशाला आयोजित: का. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित आईसीटी-भदोही में अनुसंधान व विकास योजना के तहत। (22-10-2016 से 24-10-2016)
- आईसीटी-भदोही में आयोजित अनुसंधान व विकास योजना के तहत नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित: एससी श्रेणी के आर्टिजन के लिए "आईआईसीटी भदोही में कैड (कम्प्यूटर एडेड कालीन डिजाइन)/ पर(दि. 22-10-2016 से 24-10-2016 तक) 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित।

ग्राफीय प्रस्तुतिकरण

उद्योग को अब तक प्रदत्त सेवाएं तथा डिजाईन लैब सेवाएं

परीक्षण सेवाएं

उद्योग को तकनीकी सहयोग (टी.एस.आई.)

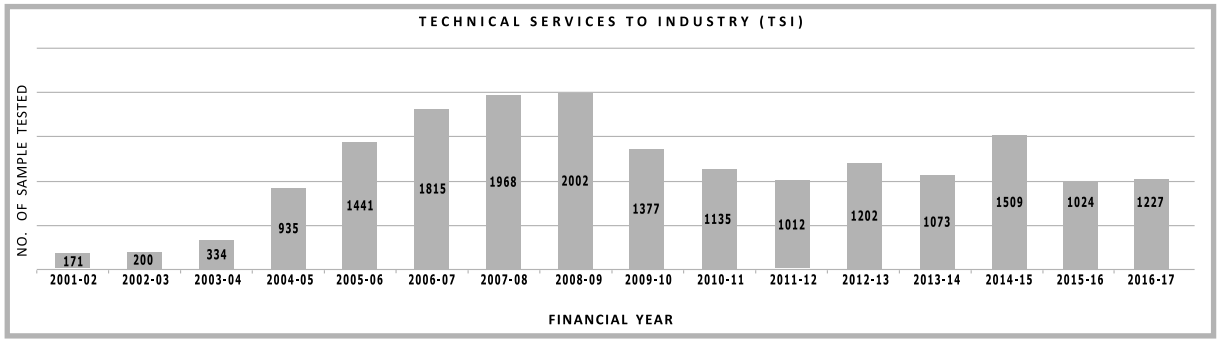

डिजाईन लैब की सेवाएं

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण डिजाईन बिकी पर आधारित)

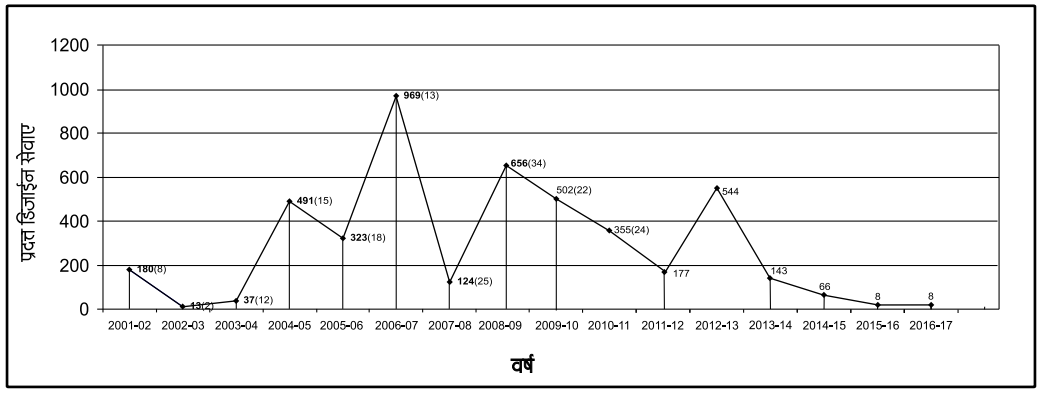

डिजाईन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षु

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित)

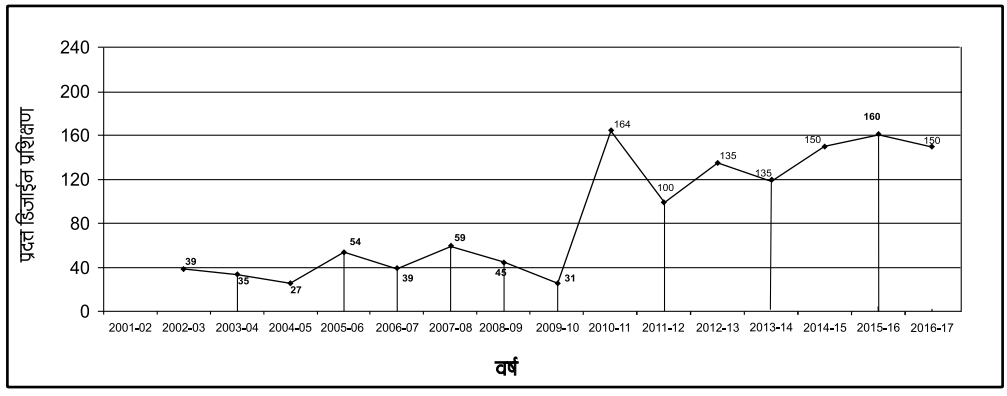

Objective	Actions	Criteria/ Success indicator	Unit	Weight	Target/ Criteria values					Achieved
					Excellent	Very good	Good	Fair	Poor	
					100%	90%	80%	70%	60%	
1. Human Resource Development (HRD) for Carpet and allied Sectors.	Enrollment in long term, short term and industry driven courses	Intake/enrollment of students/trainees	No.	**0.5**	**500**	**450**	**400**	**350**	**300**	**982 (B.Tech 232, HRD 720, CAD 30)**
		Teaching Pedagogy	% Pass		**100**	**90**	**80**	**70**	**60**	**100**
		Faculty Development	Deputation for Higher Studies/ Training (No.)		**5**	**4**	**3**	**2**	**1**	**5**
			Publication (No.)		**5**	**4**	**3**	**2**	**1**	**5**
			Participation in National International Conference/ Seminar (No.)		**5**	**4**	**3**	**2**	**1**	**5** **Score 0.5**
2.Comprehensive R & D support to the sector	Conceptualisation of new ideas (Input of Innovator(s) through self, project, R&D and students dissertations)	Dissemination through seminar / conference - Publication, patent/copyright etc.	No	0.2	5	4	3	2	1	11 **Score 0.2**
3.Technical Support & Service to the Sector	To upgrade the existing laboratory	• Creation of New Testing facilities to meet the requirement of stakeholders	No	0.05	10	09	08	07	06	10
		• Issuing of test reports	No	0.25	1000	900	800	700	600	1186
		• Trouble shooting /Liasons	No	0.25	50	45	40	35	30	50 **Score 0.1**
4.Comprehensive Design support to the sector	Development of new designs & Design Bank	• Bank of Design	No	0.05	500	450	400	350	300	429
		• Sale of Design	No	0.025	250	225	200	175	150	20
		• Design guidance	No	0.025	50	45	40	35	30	39 **Score 0.0644**
5. Infrastructure & Administration	Execution of Expansion Plan Phase II.	Utilisation of received fund	**%**	**0.1**	100	90	80	70	60	**Achieved**
	-Completion of projects Continuation of- ISO-9000:2008 . - ISO 17025: 2005 (NABL) - NBA-AICTE - Accreditation of Textiles Institute (Manchestor	Timely completion. Continuation with addition of criteria related to exhibition of transparency and in disciplines and performance of faculty/staff.	**Time line**	**Compl-etion in time**	No delay	Delay by 4 months	Delay by 6 months	Delay by 9 months	Delay by 12 months	No delay
				Renewal in Time	Delay by 3 months	Delay by 4 months	Delay by 6 months	Delay by 9 month	Delay by 12 months	No delay **Score 0.1**
									Overall Total Score :	**96.44%**

चालू वित्त वर्ष के बजट का सारांश और वास्तविक खर्च (संस्था के लिए विशेष रूप से) तीन पिछले वित्तीय वर्षों में

Total Income at Institute level: For CFY, CFY*m*1, CFY*m*2 & CFY*m*3
CFY: Current Financial Year, CFY*m*1 (Current Financial Year minus 1), CFY*m*2 (Current Financial Year minus 2) and CFY*m*3 (Current Financial Year minus 3)

For CFY -2016-17

(Amount in Rs.)

Total Income:				Actual expenditure			Total No. of students: 228
Fee	Govt.	Grant(s)	Other Sources (specify)	Recurring including Salaries	Non-recurring	Special Projects/Any other, specify	Expenditure per student
13208960	63891786	--	12931041	59460716	13891786	–	260793

For CFY (2015-16)

Total Income:				Actual expenditure			Total No. of students: 252
Fee	Govt.	Grant(s)	Other Sources (specify)	Recurring including Salaries	Non-recurring	Special Projects/Any other, specify	Expenditure per student
12586415	38036439		17584050	51541070	14086429	--	204528

For CFY (2014-15)

Total Income:				Actual expenditure			Total No. of students: 297
Fee	Govt.	Grant(s)	Other Sources (specify)	Recurring including Salaries	Non-recurring	Special Projects/Any other, specify	Expenditure per student
12672173	35000000		6744251	53270055	4188500	–	179360